त्रैमासिक परीक्षा 2024

कक्षा- 12

विषय- हिन्दी

समय 3 घंटा | पूर्णांक-80

निर्देश–1. सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। 2. वस्तुनिष्ठ प्रश्न सबसे पहले हल कीजिये।
3. प्र0 क्र0 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए एक एक अंक निर्धारित है।
4. प्र0 क्र0 6 से 15 तक अतिलघुत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए दो–दो अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30 शब्द निर्धारित है। 5. प्र0 क्र0 16 से 19 तक लघुत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 3–3 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 75 शब्द निर्धारित है। 4. प्र0 क्र0 20 से 23 तक विश्लेषणात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक के लिए 4–4 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 120 शब्द निर्धारित है।

प्र01. सही विकल्प चुनकर लिखिये– 6

(1) आधुनिक काल की सबसे लोकप्रिय विद्या है–
(1) कहानी (2) निबंध (3) उपन्यास (4) नाटक

(2) खड़ी बोल गद्य का प्रारम्भ किस युग से माना जाता है–
(1) भारतेन्दु युग (2) द्विवेदी युग (3) शुक्ल युग (4) प्रगतिवादी युग

(3) टी.वी. पर प्रसारित खबरों में सबसे महत्वपूर्ण है–
(1) विजुअल (2) नेट (3) बाइट (4) उपर्युक्त सभी

(4) भक्तिन कहाँ की रहने वाली थी–
(1) झाँसी (2) झूँसी (3) झुंझनू (4) झालावाड़

(5) ऊँचे दाजार का निमंत्रण कैसा होता है–
(1) आकर्षक (2) मूक (3) वाचाल (4) भयंकर

(6) सबसे अधिक खर्चीला जनसंचार माध्यम है–
(1) समाचार पत्र (2) टेलीविजन (3) इन्टरनेट (4) रेडियो

प्र02. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– 7

(1) नीरजा की रचनाकार.....हैं। (महादेवी वर्मा/सुभद्रा कुमारी चौहान)
(2) कुँवर नारायण ने.....जैसा प्रबंध काव्य रचकर भरपूर प्रतिष्ठा प्राप्त की। (कालजयी/आत्मजयी)
(3) जूझ कहानी लड़ते–जूझते किसान मजदूरों.....की झाँकी है। (संघर्ष/प्रेम)
(4) रस के.....अंग हैं। (चार/पाँच)
(5) नाटक में मंच निर्देश हमेशा.....में लिखे जाते हैं। (भूतकाल/वर्तमान काल)
(6) छायावाद का समय.....से.....तक माना गया है। (1920 से 1936/1921 से1937)
(7) कविता के पंख लगा उड़ने के माने.....क्या जाने। (कोयला/चिड़िया)

प्र03. सही जोड़ी का मिलान कीजिए– 6

(1)	व्यंग की प्रधानता	–	विस्मित करने वाली
(2)	एक गीत	–	आठ
(3)	आनंद यादव	–	नई कविता
(4)	अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार	–	विडम्बना
(5)	ऐसे बाजार मानव के लिए होते हैं	–	जूझ
(6)	भक्तिन की सहज बुद्धि	–	हरिवंश राय बच्चन

https://theboardstudy.com

प्र04. सत्य/असत्य का चयन कीजिए– 6

(1) आधुनिक हिन्दी कविता का प्रारंभ 1900 ई. से माना जाता है।
(2) बाजार का जादू आँख की राह काम नहीं करता।
(3) मेरे एकांत की साथिन भक्तिन ही रही है।
(4) यशोधर बाबू गोल मार्केट से सेक्रेट्रिएट तक स्कूटर से आते–जाते थे।
(5) मानव के विचारों को प्रकट करने वाला सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह मुहावरा कहलाता है।
(6) बच्चे प्रत्याशा में नीड़ो से झाँक रहे होंगे।

प्र05. एक शब्द अथवा वाक्य में उत्तर लिखिए– 7

(1) आधुनिक काल के द्वितीय युग का नाम लिखिए।
(2) हरिवंश राय बच्चन द्वारा लिखित एकमात्र डायरी का नाम लिखिए।
(3) ''साहित्य का धन्धा न करना पड़े इसलिए समानांतर रूप से अपना पैतृक धन्धा भी चलाना उचित समझा। यह कथन किस साहित्यकार का है ?
(4) जन संचार क्या है ?
(5) मौखिक कविता का जन्म कब हुआ ?
(6) पत्रकारीय लेखन क्या है ?
(7) श्रृंगार रस का स्थायी भाव लिखिए।

प्र06. 'शीतल वाणी में आग' – के होने का क्या अभिप्राय है ? 2
अथवा 'भाषा की सहूलियत' बरतने से क्या अभिप्राय है ?

प्र07. पथिक जल्दी–जल्दी क्यों चलता है ? 2
अथवा इस कविता के बहाने बताएँ कि 'सब घर एक कर देने' के माने क्या हैं ?

प्र08. भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ? 2
अथवा बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या असर पड़ता है ?

प्र09. सिल्वर वैडिंग पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य की आप कितनी अर्थ छवियां खोज सकते हैं? लिखिए। 2

अथवा

'जूझ' पाठ की विधा का नाम लिखते हुए आनंद यादव जी को कोई एक रचना का नाम लिखिए।

प्र010. ''समस्त जनसंचार माध्यम एक दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं।'' इस कथन की पुष्टि उदाहरण सहित कीजिए। 2
अथवा नाटक के तत्व लिखते हुए 'संवाद' को समझाइए।

प्र011. निपात शब्द का अर्थ लिखते हुए नीचे लिखे वाक्य में आए निपात शब्द को लिखिए। 2
अथवा निर्बल ही धन की ओर झुकता है।

अथवा

''हमारे मालकिन तो रात–दिन किताबियन मां गड़ी रहती हैं। अब हम हूँ पढ़े लागब तो घर गिरिस्ती कउन देखी–सुनी।'' लोक भाषा के इस संवाद को समझकर खड़ी बोली हिन्दी में ढाल कर लिखिए।

https://theboardstudy.com

प्र012. निर्देशानुसार वाक्य रूपान्तरण कीजिए– 2

(1) सूर्योदय होने पर अंधकार जाता रहा। (संयुक्त वाक्य)

(2) प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि अमिताभ बच्चन कौन हैं। (सरल वाक्य)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए–

(1) अंगद के पैर होना (2) अंगूठा दिखाना

प्र013. वीर रस का परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

अथवा

महाकाव्य एवं खण्ड काव्य में कोई दो अन्तर लिखते हुए एक–एक उदाहरण लिखिए।

प्र014. भारतेन्दु युग की कोई दो प्रवृत्तियाँ लिखिए। 2

अथवा

छायावाद की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

प्र015. साक्षात्कार का अर्थ लिखते हुए उसका महत्व लिखिए। 2

अथवा कविता के प्रमुख घटक लिखिए।

प्र016. कुँवर नारायण अथवा हरिवंशराय बच्चन की दो–दो रचनाएँ लिखते हुए काव्यगत विशेषताएँ लिखिए। 3

प्र017 महादेवी वर्मा अथवा जैनेन्द्र कुमार की दो–दो रचनाएँ लिखते हुए भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए। 3

प्र018. नीचे लिखे अपठित गद्यांश/पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3

"मनुष्य का जीवन बहुत संघर्षमय होता है। उसे पग–पग पर कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। फिर भी ईश्वर के द्वारा जो मनुष्य रूपी वरदान की निर्मिति इस पृथ्वी पर हुई है, इससे मानों धरती का रूप ही बदल गया है। यह संसार कर्म करने वाले मनुष्यों के आधार पर ही टिका हुआ है। देवता भी उनसे ईर्ष्या करते हैं। मनुष्य अपने कर्मफल के कारण श्रेष्ठ है। धन्य है मनुष्य का जीवन।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(2) मनुष्य किस कारण श्रेष्ठ माना गया है ?

(3) मनुष्य का जीवन कैसा होता है ?

अथवा

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय को सूल।।
इक भाषा एक जीव, इक मीन सब धर के लोग।
तबै बनत है सबन सौं, मिटत मूढ़ता सोग।।

(1) उपर्युक्त पद्यांश का उपर्युक्त शीर्षक लिखिए।

(2) शब्दार्थ बताइए – निज, सूल

(3) 'ज्ञान' शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्र019. भाव पल्लवन कीजिए– 3

"ईश्वर किसी विशेष धर्म या जाति का नहीं होता।"

अथवा

https://theboardstudy.com

'स्वच्छता अभियान में छात्रों की भूमिका' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

प्र020. निम्नलिखित काव्यांश का संदर्भ–प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए– 4

"मै निज उर के उद्‌गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उर के उपहार लिए फिरता हूँ,
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता है,
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।

अथवा

"सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेहतर कसता चला जा रहा था
क्योंकि इस करतब पर मुझे
साफ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शबाशी और वाह वाह।"

प्र021. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 4

"पर मुझे रात की निस्तब्धा में अकेली न छोड़ने के विचार से कोने में दरी के आसन पर बैठकर बिजली की चकाचौंध से आँखें मिचमिचाती हुई भक्तिन, प्रशांत भाव से जागरण करती है। वह ऊँघती भी नहीं, क्योंकि मेरे सिर उठाते ही उसकी धुँधली दृष्टि मेरी आँखों का अनुसरण करने लगती है। यदि मैं सिरहाने रखे रैक की ओर देखती हूँ, तो वह उठकर आवश्यक पुस्तक का रंग पूछती है, यदि मैं कलम रख देती हूँ तो वह स्याही उठा लाती है और यदि मैं कागज एक ओर सरका देती हूँ, तो वह दूसरी फाइल टटोलती है।

अथवा

जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी की खुराक ही मिलती है। जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी ?

प्र022. सचिव माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल को कक्षा 12वीं की अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में आवेदन–पत्र लिखिए। 4

अथवा

अपने मित्र को वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आने पर एक बधाई पत्र लिखिए।

प्र023. किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में निबंध लिखिए– 4

(1) वृक्षारोपण
(2) समय का महत्व
(3) विज्ञान वरदान या अभिशाप
(4) विद्यार्थी जीवन और खेल

https://theboardstudy.com